480

MASA-01

June - Examination 2016

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum upto 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) वेद शब्द किस धातु से बना है तथा उसके चार अर्थ क्या है?

(ii) ''होतारम्'' पद से क्या आशय है?

(iii) अक्ष सूक्त में प्रयुक्त छन्द का क्या नाम है?

(iv) सृष्टि प्रक्रिया हेतु अतिगम्भीर सूक्त कौनसा है?

(v) निरूक्त के अनुसार ''नदी'' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए?

(vi) सृष्टि की प्रारम्भिक अवस्था को कौन जानता है?

(vii) संहिता पद का क्या अर्थ है?

(viii) ''दशावाद रहस्य'' पुस्तक के लेखक का क्या नाम है?

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्ही **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्
येन यज्ञस्तायते सप्तहोता, तन्मे मन।। मस्तुशिवसंकल्पः

(ii) आ ते पितर्मरूतां सुम्न मेतु।
मा नः संदृशो युयोथासूर्यस्य।
अभि नो वीरो अर्वतिखमेत,
प्र जायेमहि रूद्र प्रजाभि।।

3) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए–

(i) अहंरूद्रेभिर्वसुभिश्चराम्यहमादित्यैरूत विश्वदेवैः।
अहं मित्रावरूणोभा विभर्म्यमिन्द्राग्नी अहमखिनोमा।।

(ii) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे
भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

4) प्रश्न सं. 2 या 3 में आये किसी एक मन्त्र का पद–पाठ लिखिए।

5) निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए।

(i) पुरूष सूक्त।

(ii) दार्शनिक सूक्त।

6) निम्न में से किन्ही दो शब्दों का निरूक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए।

(i) आचार्य

(ii) निघण्टु

(iii) हस्त

(iv) अध्वर्यु

7) रुद्र देव के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

8) निरूक्त वेदांग को स्पष्ट कीजिए।

9) मन्त्र सार्थक हैं या अनर्थक संक्षेप में समझाइये।

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum upto 500 words. Each question carries 16 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा की उत्पत्ति के विविध सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

11) इन्द्र सूक्त का विशद वर्णन कीजिए।

12) भारतीय लेखनकला के इतिहास को सुस्पष्ट कीजिए।

13) अर्थविज्ञान के क्षेत्र स्पष्ट करते हुए, अर्थ परिवर्तन के कारणों का वर्णन कीजिए।